RNI NO Title Code-UPHIN49594

हिन्दी दैनिक

नवयुग समाचार

बहराइच से प्रकाशित

एक सामाजिक दर्पण

वर्ष-3 अंक-171
बहराइच,गुरुवार
27 जून 2024
पृष्ठ-4 मूल्य 2.00

लखनऊ, उन्नाव, हरदोई, कानपुर, कन्नौज, फरुर्खाबाद, गोरखपुर, अंबेडकरनगर, म.प्र., बिहार में प्रसारित

विद्यालय मनुष्य के निर्माण की कार्यशाला है-आचार्य

अपने आचरण से मनुष्य का निर्माण करता है:उमाशंकर

हरदोई पं बाबूराम त्रिवेदी सरस्वती शिशु मंदिर अल्लीपुर में विद्याभारती द्वारा आयोजित नवीन आचार्य प्रशिक्षण दिवस के षष्ठ दिवस पर प्रथम सत्र में क्षेत्रीय बालिका शिक्षा प्रमुख निराला नगर लखनऊ उमाशंकर मिश्र के विद्यालय में आचार्य की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई तथा बताया कि विद्यालय मनुष्य के निर्माण की कार्यशाला है। आचार्य अपने आचरण से मनुष्य का निर्माण करता है। द्वितीय सत्र में आचार्य सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज पाली आचार्य आशुतोष तिवारी ने क्रिया आधारित अंग्रेजी शिक्षण पर विस्तृत चर्चा की गई। आचार्य मैगलगंज सचिन अवस्थी के द्वारा गणित विषय पर चर्चा की गई। चतुर्थ सत्र श्रावस्ती संभाग कैलाश वर्मा के द्वारा प्रश्न पत्र निर्माण पर विस्तृत चर्चा की गई। शारीरिक का सत्र हुआ जो जिसमे मुख्य शिक्षक प्रांतीय शारीरिक प्रमुख के द्वारा ओम प्रकाश के द्वारा विधिवत शिक्षण कार्य हुआ। जनपद के पं बाबूराम त्रिवेदी सरस्वती शिशु मंदिर अल्लीपुर में बुधवार को विद्याभारती द्वारा आयोजित नवीन आचार्य प्रशिक्षण दिवस के षष्ठ दिवस पर मुख्य अतिथियों का नवीन आचार्या वाहनों के द्वारा मुख्य अतिथियों का तिलक बंधन लगाकर स्वागत किया गया।

भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ ने 3 सोशल मीडिया प्रभारी की नियुक्ति की

राजस्थान से सुरेश नेमीवाल, उत्तरप्रदेश से मनीष कुमार सिंह एवं गौहर अनवर को मिली जिम्मेदारी।

नवयुग समाचार ब्यूरो

नई दिल्ली। भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ (BSPS) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक पाण्डेय द्वारा राजस्थान से संगठन के सक्रिय पत्रकार साथी सुरेश नेमीवाल तथा उत्तर प्रदेश से मनीष कुमार सिंह एवं गौहर अनवर को भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ(BSPS) में सोशल मीडिया का प्रभारी नियुक्त किया है। राजस्थान के सीकर जनपद के दांतारामगढ़ से सुरेश नेमीवाल को सोशल मीडिया प्रभारी बनाए जाने पर स्थानीय पत्रकारों में खु-शी की लहर दौड़ पड़ी तथा पत्रकारों ने उन्हें बधाई दी है। सुरेश नेमीवाल ने पत्रकारिता में स्नातकोत्तर की उपाधि भी ली है।पत्रकार सुरेश नेमीवाल ने भारतीय श्रमजीवी पत्रकार संघ के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस जिम्मेदारी को पुर्ण निष्ठा ओर जिम्मेदारी से निर्वहन करते हुए भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के हित में रखते हुए मजबुती प्रदान करेंगे।

रूस में भीषण हादसा, ट्रेन के नौ डिब्बे पटरी से उतरे

70 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर

वर्ल्ड डेस्क /कोमी गणराज्य (रूस) रूस में यात्री ट्रेन के नौ डिब्बे बेपटरी होने से हुए हादसे में 70 से अधिक लोगों के घायल होने की खबर है। रूस की स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सात लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

फिलहाल, किसी की मौत की पुष्टि नहीं हुई है। यात्री ट्रेन उत्तर पूर्वी कोमी में वोरकुटा से नोवोरोस्सिएस्क के ब्लैक सी बंदरगाह जा रही थी। दोनों जगहों के बीच की दूरी पांच हजार किलोमीटर है।

जो रेल हादसे का शिकार हुई है उसका नाम ट्रेन 511 है। डिब्बों के पटरी से उतरने का कारण हाल ही में हुई भारी बारिश हो सकती है। खबरों

के मुताबिक रेलवे ऑपरेटर ने बताया कि ट्रेन 511 में कुल 14 डिब्बे थे, जिसमें 232 यात्री सवार थे। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक हादसा स्थानीय समयानुसार शाम करीब 6.12 बजे इंटा शहर के पास हुआ। टेलीग्राम पर जारी बयान के मुताबिक आपातकालीन सेवाओं से जुड़े अधिकारियों और राहत-बचाव दल को घटनास्थल पर भेजा गया है। हताहत यात्रियों की सहायता के लिए उपाय किए जा रहे हैं। सेक्शन पर यातायात को निलंबित कर दिया गया है। पीड़ितों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। भौगोलिक रूप से उत्तर-पूर्वी कोमी आर्कटिक सर्कल के ऊपर है।

पत्नी की हत्या कर थाने पहुंचा पति,कबूला गुनाह

उन्नाव। उन्नाव जिले में सदर कोतवाली के तकीनगर मोहल्ले में किराए के मकान में अकेली रह रही महिला की मुंबई से आए पति ने गला दबाकर हत्या कर दी। कमरे में ताला बंद कर भाग गया।

दुर्गंध आने पर किराएदारों को शक हुआ तो पति सीधे कोतवाली पहुंचा और पुलिस को घटना की जानकारी देकर अपना गुनाह कबूल किया। किला चौकी क्षेत्र के तकीनगर (कंजी) स्थित रविदास मंदिर के पास मोहशीन के मकान में किराए पर रह रही मुस्कान (32) पत्नी जान अहमद के कमरे में मंगलवार दोपहर से ताला बंद था। लाइट भी नहीं जल रही थी। अन्य किराएदारों ने समझा कहीं गई होगी। लेकिन बुधवार को कमरे से दुर्गंध आने पर लोगों को शक हुआ। मोहल्ले में इसकी चर्चा होने पर रात करीब 9:30 बजे उसका पति सीधे कोतवाली पहुंच गया। उसने बताया कि पत्नी की गला दबाकर हत्या कर दी है। कमरे में उसका शव पड़ा है। हत्या की सूचना से पुलिस हरकत में आई। सदर चौकी इंचार्ज राजेश दीक्षित फॉरेंसिक टीम के साथ पहुंचे। कमरे का ताला तोड़कर अंदर देखा तो शव बेड के नीचे पड़ा था। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजने के साथ पति को हिरासत में लिया है। मृतका के पति जान अहमद ने बताया कि पत्नी से उसका विवाद चल रहा था। अभी उसके कोई बच्चे भी नहीं हैं। जान मोहम्मद मुंबई में रहकर काम करता है तीन दिन पहले ही वह वापस आया है। उसकी पत्नी मुस्कान दही चौकी स्थित एक चमड़ा फैक्टरी के यूनिट नंबर पांच में नौकरी करती थी। लेकिन जब वह लौटा तो पता चला उसने नौकरी छोड़ दी है। उसका खर्च कैसे चलता इसे लेकर चरित्र पर शक किया तो दोनों में विवाद हुआ और उसने गला दबा दिया जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक उसने तलाक के मुकदमे की भी बात बताई है, जिसकी जांच की जा रही है। आरोपी मूल रूप से रायबरेली का रहने वाला है। पुलिस आरोपी के पिता अब्दुल और अन्य परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। कोतवाल प्रमोद कुमार मिश्रा ने बताया कि जिस घर में वह रहती थी वहां चार-पांच और किराएदार रहते हैं लेकिन वह सभी ऊपरी मंजिल पर रहते हैं। सुबह काम पर जाते हैं और रात में वापस आते हैं। महिला का शव करीब डेढ़ दिन पुराना है। पति से पूछताछ चल रही है। कई ऐसे बिंदु हैं जो घटना को संदिग्ध बना रहे हैं उन पर भी जांच की जा रहा है।

सेमीफाइनल में जायसवाल को मिलेगा मौका?

भारत के पास इंग्लैंड से बदला लेने का मौका

गयाना। वेस्टइंडीज और अमेरिका की सह-मेजबानी में जारी टी20 विश्व कप 2024 अब अपने चरम की तरफ बढ़ रहा है। सुपर-8 के मुकाबले खत्म हो चुके हैं और अब 27 जून को सेमीफाइनल के मैच खेले जाएंगे।

पहला मुकाबला अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच भारतीय समयानुसार सुबह छह बजे से खेला जाएगा। वहीं, दूसरा मैच रात आठ बजे भारत और इंग्लैंड के बीच प्रोविडेंस में खेला जाएगा। इस मुकाबले में भारतीय टीम के पास इंग्लैंड से बदला लेने का सुनहरा मौका है। टी20 विश्व कप 2022 में इंग्लैंड ने भारत को सेमीफाइनल में 10 विकेट से हराया था। इंग्लैंड ने जोस बटलर और एलेक्स हेल्स की अगुवाई में शानदार प्रदर्शन

करते हुए भारत को करारी शिकस्त दी थी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 169 रनों का लक्ष्य तैयार किया था जिसे इंग्लैंड ने 16 ओवर में हासिल कर लिया था। मौजूदा टूनार्मेंट में भारतीय टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है। भारतीय टीम टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर रही है और उसने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारत इस टूनार्मेंट में अब तक अजेय चल रही है और उसने ग्रुप चरण के बाद सुपर आठ में भी शीर्ष पर रहकर इस चरण का समापन किया। दूसरी तरफ, इंग्लैंड ने अमेरिका को हराकर सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई किया था। इससे पहले भी 2022 में दोनों टीमों का सामना अंतिम चार में हुआ था जहां इंग्लैंड की टीम जीत दर्ज करने में सफल रही थी।

आपस में जोड़े जाएंगे यूपी के सभी एक्सप्रेसवे

डीपीआर के लिए दो एजेंसियों को यूपीडा की हरी झंडी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सभी एक्सप्रेसवे को आपस में जोड़ा जाएगा। फरुर्खाबाद लिंक एक्सप्रेस वे के जरिये आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और गंगा एक्सप्रेसवे को जोड़ने के अतिरिक्त ऐसी अन्य परियोजनाओं के लिए एजेंसी का चयन उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने कर लिया है। एजेंसी विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करेगी।

यूपीडा की बोर्ड बैठक में बुधवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। देश में सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे वाले उत्तर प्रदेश में सड़कों का नेटवर्क लगाया फैल रहा है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप सभी एक्सप्रेसवे को आपस में जोड़ने का काम तेजी से हो रहा है। इसी कड़ी में चित्रकूट

लिंक एक्सप्रेसवे को बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे से जोड़ने का प्रस्ताव है। वहीं बलिया लिंक एक्सप्रेसवे का भी निर्माण किया जा रहा है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए एक लिंक एक्सप्रेसवे की जरूरत है। इस एक परियोजना से प्रदेश के सभी एक्सप्रेसवे आपस मे जुड़ जाएंगे। लगभग 60 किलोमीटर के इस लिंक एक्सप्रेसवे के संबंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी। वहीं चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे के लिए बजट जारी हो चुका है। प्रारंभिक अध्ययन के अनुसार चार लेन का चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे लगभग 14 किमी का होगा। इस संबंध में डीपीआर तैयार करने के लिए रेडेकॉन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड और एनवी प्रोजेक्ट्स कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड का चयन किया गया है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का निर्देश- पत्नी को बदचलन साबित करने के लिए बच्चों का नहीं करा सकते डीएनए टेस्ट

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पत्नी को बदचलन साबित करने के लिए बेटियों के डीएनए टेस्ट की मांग करने वाले डॉक्टर पति को जोर का झटका दिया है। बेटियों को गुजारा भत्ता देने के आदेश के खिलाफ दाखिल अर्जी खारिज करते हुए कोर्ट ने कहा कि पत्नी को चरित्रहीन साबित करने के लिए बच्चों का डीएनए टेस्ट नहीं करा सकते। डीएनए टेस्ट भरण पोषण से बचने का हथियार नहीं है। न्यायमूर्ति राहुल चतुर्वेदी की अदालत ने कासगंज निवासी डॉ. इफराक उर्फ मोहम्मद इफराक हुसैन की याचिका निरस्त करते हुए यह तल्ख टिप्पणी की।

थाना गंजडुंडवारा क्षेत्र के डॉ. इफराक का शाजिया परवीन से 12 नवंबर 2013 को निकाह हुआ था। करीब चार साल दोनों के बीच संबंध ठीक-ठाक चले। इस बीच उन्हें दो बेटियां हुईं। 2017 में रिश्तों में दरार आ गई। शाजिया अपने मायके आ गई। इस बीच, शाजिया ने गुजारा भत्ता की मांग को लेकर ग्राम न्यायालय पटियाली में वाद दाखिल किया। पति ने आपत्ति करते हुए पत्नी पर व्यभिचार का आरोप लगा दिया। आरोप को सिद्ध करने के लिए उसने अपनी दोनों बेटियों का डीएनए टेस्ट कराने की मांग की। डीएनए टेस्ट भरण पोषण से बचने का हथियार नहीं है। डीएनए जांच बच्चों के हित में की जानी चाहिए, न कि माता-पिता के। मां को व्यभिचारी सिद्ध करने के लिए उसके बच्चों को मोहरा नहीं बनाया जा सकता।

सम्पादकीय....

लोकसभा का नया सत्र

संजय त्रिपाठी
प्रबंध संपादक
नवयुग समाचार (दैनिक)

संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है। यदि वहां भी शालीनता, मयार्दा एवं सभ्यता का भंग होता है तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र होने के गौरव का आहत होना निश्चित है।

अठारहवीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू चुका है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। तीन जुलाई तक दस दिन के लिये चलने वाले इस सत्र में दो दिन नए सांसदों को शपथ दिलाई जायेगी। बुधवार को नए लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा, जबकि गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। लोकसभा सत्र में विपक्ष इस बार अपनी बढ़ी हुई शक्ति का एहसास कराते हुए आक्रामक होने से नहीं चूकेगा। यही वजह है विपक्ष ने सत्र से पहले पर-ीक्षा में गड़बड़ी, अग्निवीर व प्रोटेम स्पीकर जैसे मुद्दों को लेकर आक्रामक रुख दिखाने की रणनीति बनाई है। लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव में भी सत्ता पक्ष को घेरने की कोशिशें होती हुई दिख रही है। वैसे भी वह पहले ही सत्ता पक्ष के गठबंधन के सहयोगियों को लोकसभा अध्यक्ष पद की मांग के लिए उकसाने में लगा हुआ है एवं वहीं स्वयं के लिये लोकसभा के उपाध्यक्ष पद की मांग कर रहा है। विपक्ष ने प्रोटेम अध्यक्ष की नियुक्ति के अलावा नीट-यूजी पेपर लीक व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के स्थगित होने के मामले में सरकार को घेरने एवं संसदीय कार्रवाई को बाधित करने की रणनीति बनाई है, जिससे पहले दिन ही हंगामे के परिदृश्य देखने को मिल रहे हैं। बेहतर संख्या बल के चलते विपक्ष का उत्साहित होना स्वाभाविक है और उसके नेताओं की ओर से विभिन्न ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में भी कुछ अनुचित नहीं, लेकिन इस तैयारी के नाम पर संसद में हंगामा और शोरशराबा करके ऐसी परिस्थितियां नहीं पैदा की जानी चाहिए जिससे संसद चलने ही न पाए। एक लंबे समय से यह देखने में आ रहा है कि विभिन्न मुद्दों पर सरकार से जवाबदेही के नाम पर विपक्ष संसद में हंगामा और अव्यवस्था पैदा करना उचित समझता आ रहा है, उसके तेवर इस बार ज्यादा ही उग्र एवं उत्तेजिक दिख रहे हैं, जो संसदीय परम्परा के लिये दुर्भाग्यपूर्ण है। सांसद चाहे जिस दल के हो, उनसे शालीन एवं सभ्य व्यवहार की अपेक्षा की जाती है। लेकिन सांसद अपने दूषित एवं दुर्जन व्यवहार से संसद को शर्मसार करते हैं तो यह लोकतंत्र के सर्वोच्च मन्दिर की गरिमा के प्रतिकूल है। संसद राष्ट्र की सर्वोच्च संस्था है। देश का भविष्य संसद के चेहरे पर लिखा होता है।

कांग्रेस की हालत सुधरी, लेकिन इतिहास रचने से रह गई

पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो।

सोलहवीं और सत्रहवीं लोकसभा के चुनाव नतीजों की तुलना में देखें तो अठा-रहवीं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की 99 सीटों पर जीत बड़ी कही जा सकती है। इस पर कांग्रेस नेताओं का इतराना स्वाभाविक भी है। स्वाधीनता आंदोलन की प्रतिनिधि माने जाते रहे राजनीतिक दल का शीर्ष नेतृत्व इस तरह खुश हो रहा है, मानो उसने बड़ा तमगा हासिल कर लिया हो। लेकिन क्या यह कामयाबी इतनी बड़ी है कि पार्टी को इसकी खुशी में झूमना चाहिए? देश पर सबसे ज्यादा और तकरीबन सभी राज्यों में सबसे अधिक वक्त तक जिस पार्टी की सरकार रही हो, क्या उसके लिए यह जीत बड़ी मानी जा सकती है? 1885 में एओ ह्यूम ने कांग्रेस की स्थापना यह सोचकर नहीं की थी कि आने वाले दिनों में वह उनकी ही नस्ल के शासन के खिलाफ उठ खड़ी होगी, बल्कि भारतीय आजादी की मांग के साथ हुंकार भरने लगेगी। ह्यूम ने यह भी शायद ही सोचा होगा कि अंग्रेजी सरकार के खिलाफ भारतीयों के गुस्से के तार्किक इजहार के लक्ष्य से स्थापित कांग्रेस उन्हीं की प्रतिनिधि पार्टी बन जाएगी। पहले तिलक और

बाद में गांधी का स्पर्श पाकर कांग्रेस ने जैसे अपना चोला बदल लिया। इसका फल उसे आजादी के बाद मिला और तीस सालों तक लगातार वह शासन में रही। उसे पहली बार 1977 में झटका लगा। लेकिन वह जल्द ही वापसी करने में कामयाब रही। ऐसे ही अल्पकालिक झटके उसे, 1989 और 1996 में भी लगे। 1998 में लगे झटके के ठीक अगले साल वह वापसी करती दिखी, लेकिन उसी साल हुए चुनावों के बाद पांच साल के लिए बाहर हो गई। कांग्रेस के इतिहास में यह पहला मौका रहा, जब उसे लगातार पांच साल के लिए सत्ता से बाहर रहना पड़ा। 2004 में अल्पमत से ही सही उसने वापसी की और दस साल तक गठबंधन का सरकार चलाया। लेकिन 2014 के चुनावों में उसकी ऐतिहासिक हार हुई और वह महज 44 सीटों पर सिमट गई। देश पर सबसे ज्यादा वक्त शासन करने वाली पार्टी को नेता प्रतिपक्ष तक का पद नहीं मिला और यही स्थिति 2019 में भी रही, बेशक आठ सीटें बढ़ गईं। दिलचस्प यह है कि गांधी-नेहरू परिवार के चश्म-ए-चिराग के हाथों में पूरी कमान थी। इससे पार्टी में निराशा फैलना स्वाभाविक था, जिसे कांग्रेस अध्यक्ष पद से राहुल गांधी के इस्तीफे से चरम अभिव्यक्ति मिली। संविधान की दुहाई देने वाली पार्टी कांग्रेस ने ही संविधान का अपमान कर देश में आपातकाल लगाया था

पांच साल पहले के आम चुनावों की तुलना में 2024 में कांग्रेस को 99 सीटें मिली हैं। दिलचस्प यह है कि इनमें पिछली बार जीती गईं, 13 सीटें शामिल नहीं हैं। क्योंकि तेरह सीटें कांग्रेस हार चुकी है। फिर भी पार्टी ऐसे उछल रही है, मानो उसने तीन सौ सीटें जीत ली हो। पार्टी कुछ वैसे ही खुश नजर आ रही है, जैसे चार दशक पहले के चुनाव में मिली जीत से प्रसन्न थी। इंदिरा की हत्या की पृष्ठभूमि में हुए 1984 के आम चुनावों में पार्टी को 415 सीटें मिली थीं। 99 सीटों की जीत वाली यह उस कांग्रेस की खुशी है, जिसे आपातकाल के गुस्से के बावजूद 1977 40 प्रतिशत से कुछ ज्यादा वोट और 189 सीटें मिली थीं। जबकि 2024 के चुनावों की तुलना 1977 से हो भी नहीं सकती। कांग्रेस के ही आला नेता राजीव गांधी ने देश को इक्कीसवीं सदी में तरक्की के साथ आगे बढ़ाने का संदेश दिया था। इक्कीसवीं सदी में कूटनीतिक, आर्थिक और सामरिक मोर्चे पर देश काफी आगे बढ़ गया है। लेकिन कांग्रेस सौ सीटों का भी आंकड़ा नहीं छू पाई और उछल रही है।

कांग्रेस से जुड़े आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलेगा कि बुरे से बुरे दिनों में भी पार्टी सौ से ज्यादा संसदीय सीटें कब्जाती रही। 1996, 1998, 1999 और 2004 के चुनाव ऐसे रहे, जिनमें कांग्रेस दो सौ का आंक-ड़ा नहीं छू पाई, लेकिन सौ से नीचे भी नहीं गई। 1996 में 140 और 1998 में 141 सीटों पर ही सिमट गया था। पार्टी 1999 और 2004 के आम चुनावों में भी दो सौ की सीट संख्या को पार नहीं कर पाई। उसे क्रमशः 114 और 145 सीटें मिलीं। यह बात और है कि 2004 में बीजेपी उससे छह सीटें कम जीत सकी, इसलिए पार्टी को सरकार बनाने का मौका मिल गया। लेकिन अगले आम चुनाव में पार्टी ने ठीक-ठाक उछाल मारा और 206 सीटों पर पहुंच गई। तब से तीन चुनाव हो चुके हैं और वह सौ का आंकड़ा तक नहीं छू पाई है। चुनावी अभियान में जुबानी जंग होती रही है। लेकिन चुनाव बीतते ही उसे भुला दिया जाता है। लेकिन कांग्रेस की अकड़ देखिए। पार्टी अपने से करीब ढाई गुनी ज्यादा सीट जीतने वाली बीजेपी को नैतिक रूप से हारी हुई पार्टी बता रही है। जयराम रमेश कह चुके हैं कि पार्टी नैतिक और राजनीतिक रूप से चुनाव हार चुकी है। पार्टी की जुबानी खराश चुनाव बाद भी दूर होती नजर नहीं आ रही। नई सरकारें बनने के बाद विपक्ष की ओर से भी औपचारिक शुभकामना संदेश देने का चलन रहा है। लेकिन कांग्रेस की ओर से शुभकामनाएं तक नहीं भेजी गई हैं। विपक्षी दलों की ओर से शपथ समारोह में शामिल होने की परंपरा रही है। लेकिन कांग्रेस का आला नेतृत्व इससे दूर रहा। इससे संदेश यह गया कि पार्टी नेतृत्व अकड़ में है।

सोशल मीडिया के दौर ने सामाजिक परिदृश्य को दो हिस्सों में साफ बांट दिया है। तटस्थता की अवधारणा कमजोर हुई है। सोशल मीडिया मंच पर वही सफल है, जो या तो पक्ष में है या विपक्ष में। दोनों पक्ष अपने-अपने तरीके से अपने लिए तर्क और कुतर्क गढ़ते रहते हैं। उनके समर्थकों को इससे लेना-देना नहीं कि तर्क है या कुतर्क है। इसी तरह राजनीति भी साफ खांचे में बंट गई है। राजनीति भी कुतर्क को तर्क के मुलम्मे में लपेटकर अपने उन्मादी समर्थकों को और ज्यादा उन्मादी बना रही है। कांग्रेस की ओर से सत्ता पक्ष के लिए कड़वापन इसी प्रवृत्ति का विस्तार लगता है। यह बात और है कि लोकतंत्र में उन्मादी वैचारिकता और सोच की कोई जगह नहीं होती। कांग्रेस के पूरे चुनाव अभियान में भाषायी स्तर नीचे उतरता ही दिखा। प्रधानमंत्री मोदी ने मंगल सूत्र और सांप्रदायिकता की बात की तो उसकी खूब आलोचना हुई। मीडिया के एक हिस्से और विपक्ष ने उस पर खूब सवाल उठाया। लेकिन उसी दौरान राहुल गांधी की भाषा मयार्दा के दायरे से लगातार बाहर जाती दिखी। लेकिन उस पर सवाल नहीं उठा। तब राहुल कहा करते थे कि लिख कर रख लो, मोदी इस बार गया। राहुल यह भी कहते थे कि बीजेपी 180 से आगे नहीं बढ़ेगी। बीजेपी का जो हुआ, वह सामने है। लेकिन राहुल के इस बयान से साफ लग रहा था कि वे बीजेपी को हराने की बजाय उसकी सीटें घटाने के लिए लड़ रहे हैं। तकरीबन समूचे विपक्ष का रवैया भी ऐसा ही रहा। विपक्ष की चुनावी रणनीति और अभियान देखकर ऐसा लगता रहा कि विपक्ष मोदी को हराने नहीं, उनकी ताकत घटाने की लड़ाई लड़ रहा है।

बारिश से सड़कें हुयी जलमग्न, बच्चों ने खूब की मस्ती

झमाझम बारिश से खुली नगर निगम की पोल, जगह-जगह जलभराव

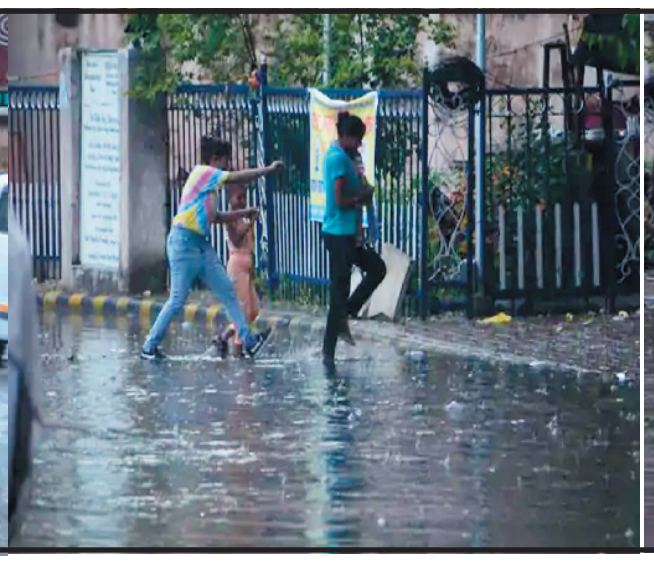

नवयुग समाचार

कानपुर। बुधवार को दोपहर बाद प्री-मानसून की पहली झमाझम बारिश हुई। मंगलवार को भी बारिश हुई, लेकिन ज्यादा नहीं हुई। बुधवार को बादल खुलकर बरसे और करीब 1 घंटे जमकर बारिश हुई। पहली मूसलाधार बारिश में शहर में जगह-जगह जलभराव हो गया। वहीं जलभराव के चलते जाम की स्थिति भी बन गई।

मौसम विभाग के मुताबिक 1 घंटे में करीब 33 मिमी. बारिश दर्ज की गई। पहली ही बारिश में सीसामऊ नाला ओवरफ्लो हो गया, इसकी वजह से सभी चैनल खोल दिए गए। जिसके बाद सीसामऊ नाला से करोड़ों लीटर प्रदूषित पानी सीधे गंगा में गिरा। जूही खलवा पुल, मरियमपुर, अशोक नगर, जेके मंदिर रोड, सर्वोदय नगर, बनपुरवा, मेहरबान सिंह पुरवा, मायापुरम, बर्रा-8 कच्ची बस्ती, पनकी इलाकों में पानी भरा है। वहीं सीसामऊ नाला ओवरफ्लो हो गया। यहां पानी किसी नदी की तरह बहता रहा। वहीं लोगों के आने-जाने में भारी मुश्किल हुई। नगर निगम के चारों तरफ ही फुटपाथ पर देर रात तक पानी भरा रहा। कानपुर के शहरी इलाके में ही बारिश हु-ई। जबकि कल्याणपुर, सचेंडी, घाटमपुर, चौबेपुर में बारिश नहीं हुई। यहां सिर्फ बूंदाबांदी हुई। घने बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई। इससे किसानों को काफी निराशा हुई। इससे पहले भी मंगलवार को ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश न के बराबर ही हुई थी। मूसलाधार

बारिश को देखते हुए पुलिस ने जूही पुल से आवागमन पर रोक लगा दी। दोनों ही तरफ पुलिस ने बेरिकेड लगा दिए और लोगों के आने-जाने पर पाबंदी लगा दी। बारिश में पुल पूरी तरह डूब गया, करीब 10 फीट तक पानी भर गया। मौसम विभाग के मुताबिक यूपी में आज यानी बुधवार को मानसून ने एंट्री ले ली है। मानसून कानपुर से अब महज 48 घंटे दूर है। मानसून की दस्तक के साथ ही झमाझम बारिश का दौर शुरू होगा। कानपुर में मंगलवार को भी पूरी तरह नहीं पहुंच सके, लेकिन रुक-रुककर कई दौर में बारिश हुई थी। मौसम विज्ञानियों के अनुसार अब दो दिन तक ऐसे ही बारिश होती रहेगी। इस-के बाद मानसून की झमाझम बारिश शुरू होगी। मंगलवार को शहर में 6.3 मिमी. बारिश दर्ज हुई है। मानसून को आहट के साथ ही शहर में बादलों की गतिविधियां बढ़ तापमान में तेजी से कमी आई। दिन का अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री पर पहुंच गया है, जबकि रात का न्यूनतम तापमान 27.4 डिग्री पर पहुंच गया है। प्री मानसून बारिश शुरू होते ही तापमान में गिरावट शुरू हो गई है। इससे तपिश तो कम हो गई है पर उमस ने बेहाल कर दिया है। लोग पसीने से नहाए रहे, जिन क्षेत्रों में बारिश हुई वहां भी कुछ समय ही राहत मिली। मौसम विभाग के मुताबिक, 27 से पहले प्रदेश में मानसून सक्रिय नहीं होगा पर हर दिन हल्की बारिश होती रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक मनीष कुमार सिंह द्वारा शोभित आफसेट के-450 इंद्रलोक कॉलोनी, पोस्ट मानसनगर, लखनऊ - 226023 उ.प्र. से मुद्रित कराकर मुकेरिया, महसी, रामगांव, बहराइच से प्रकाशित। आरएनआई/टाइटल कोड-UPHIN49594
संपादक-मनीष कुमार सिंह मो.- +91 9984176988 ई-मेल- navyugsamacharindia@gmail.com उप संपादक-मो. इजहार वारसी, मो. +91 7081640677, प्रबंध संपादक-संजय कुमार त्रिपाठी, मो.- +91 9044973372, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र बहराइच, उ.प्र. होगा।

ट्रक चालक द्वारा 640 बोरी सीमेंट गबन करने आरोप में 01 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 115 बोरी सीमेंट बरामद

नवयुग समाचार संवाददाता
गोरखपुरः वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर द्वारा अपराधों पर अंकुश लगाने एवं अपराधियों के गिरफ्तारी हेतु चलाये जा र-हे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक नगर के मार्गदर्शन में, स.पु.अ./क्षेत्राधिकारी कैण्ट के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष खोराबार के नेतृत्व में उ.नि. मधुरेश त्रिवेदी मय पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु.अ.सं.288/2024 धारा 407 भादवि से संबंधित अभियुक्त हिमांशु कुमार सिंह को 115 बोरी अल्ट्राटेक सीमेन्ट के साथ गिरफ्तार किया गया। उक्त बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में 411 भादवि की बढ़ोत्तरी की गयी । अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

मुजफ्फरपुर में पत्रकार की हत्या घर से कुछ ही दूरी पर चाकू से किए गए दर्जनों वार

नवयुग समाचार संवाददाता
बिहार। मुजफ्फरपुर में अज्ञात बदमाशों ने एक पत्रकार की हत्या कर दी. घटना मंगलवार रात की है. घर से कुछ ही दूरी पर बदमाशों ने पत्रकार पर चाकू से दर्जनों वार किए जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई. पूरा मामला मुजफ्फरपुर के मनियारी थाना क्षेत्र का है. मृतक की पहचान पत्रकार शिवशंकर झा के रूप में की गई है.भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ के राष्ट्रीय सचिव श्री एस एन श्याम ने मुजफ्फरपुर एसपी से घटना के बाबत जानकारी ली। एसपी ने बताता कि पूर्व में भी वे 2 बार जेल गए थे, पिछली रात शराब पीने के दौरान मारपीट की भी सूचना मिली है। उनकी पत्नी ने दो लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाया है जो पुलिस हिरासत में है। BSPS ने पूरे मामले की त्वरित कार्रवाई की मांग की है।

20 लीटर कच्ची शराब के साथ एक नफर अभियुक्त गिरफ्तार

नवयुग समाचार

बहराइच पुलिस अधीक्षक वृन्दा शुक्ला द्वारा अपराध एवं अपराधियो एवं जुर्म जरायम मादक पदार्थ के रोकथाम एंव मादक पदार्थों की बरामदगी के दृष्टिगत चलाये जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बहराइच पवित्र मोहन त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी नानपारा राहुल पाण्डेय के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक नानपारा राकेश कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में टीम गठित कर दिनांक 25.06.2024 को 20 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ बघौली नहर पुल के पास से एक नफर अभियुक्त को किया गिरफ्तार गया।

गोहन पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

नवयुग समाचार
गोहन, जालौन। थाना क्षेत्र के इटो चौराहे के समीप एसपी के निर्देश पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। मौके पर दो पहिया और चार पहिया वाहनों के कागजातों अगला एवं लाइसेंस आदि की जांच की गई। मौके पर थानाध्यक्ष प्रभारी दिव्य प्रकाश तिवारी ने दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने का सुझाव दिया। 54 चालान किये गए। 68 हजार रुपए जुमार्ना लगाया गया। साथ ही कहा कि आत्मरक्षा के लिए हेलमेट जरुर पहनें। मौके पर कई पुलिस जवान उपस्थित थे। इधर टाउन थाना के समीप भी सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। मौके पर बगैर हेलमेट के बाईक चलाने वाले चालकों पर जुमार्ना वसूला गया। साथ ही वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहन कर वाहन चलाने की चेतावनी दी। इस मौके पर एसआई विशाल शर्मा, कॉ कमल गौड़, कांस्टेबल गोविन्द सिंह, विनोद कुमार मौजूद रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानंद कुशवाहा द्वारा थाना कैसरगंज के विवेचकों का अर्दली रूम कर विवेचनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई

नवयुग समाचार
बहराइच अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कैसरगंज के विवेचकों का अर्दली रूम कर विवेचनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई तथा लंबित विवेचनाओं के त्वरित/गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए तथा शेष अभियोगो का शीघ्र अनावरण करते हुए बरामदगी/गिरफ्तारी करने के साथ, थाना क्षेत्र में घटित हो रही वाहन चोरी की घटनाओं पर पूर्ण अंकुश लगाने व थाना चार पहिया/दो पहिया वाहन में बिना हेलमेट , तीन सवारी ,बिना नंबर प्लेट ,हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट ,लाल नीली बत्ती व प्रेसर हॉर्न आदि का चालान करने हेतु निर्देशित किया गया । बैंको की नियमित रूप से चेकिंग करते हुए अपेक्षित कार्यवाही किए जाने हेतु निर्देशित किया गया। समीक्षा में थाने पर 45 विवेचना पेंडिंग पाई गई जिनको तेज गति से निस्तारण करने हेतु निर्देशित किया गया। एक्सीडेंट की घटना को DAR एप पर मौके पर फीडिंग करने के लिए निर्देशित किया गया व IGRS की प्रार्थना पत्र को समययुक्त व गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया गया। थाने का आकस्मिक निरीक्षण व थाने का भ्रमण किया गया । महिला हेल्प डेस्क पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों का शीघ्र निस्तारण व अधिक से अधिक मुकदमा पंजीकृत कराने हेतु निर्देशित किया गया ।

1250 ग्राम चरस के साथ एक नफर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

नवयुग समाचार
बहराइच पुलिस अधीक्षक द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के सम्बन्ध में चलाये जा रहे सघन चेकिंग अभियान के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) डा0 पवित्र मोहन त्रिपाठी व क्षेत्राधिकारी महोदय मिहीपुरवा राहुल पाण्डेय के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियो की रोकथाम जुर्म जरायम को रोकने हेतु मुझ प्रभारी निरीक्षक ददन सिंह के कुशल नेतृत्व में गठित टीम द्वारा दिनांक 25.06.2024 को थाना क्षेत्र अन्तर्गत वहदग्राम बस्थनवा से बलईगांव जाने वाले रोड पर चेकिंग के दौरान अभियुक्त संतोष थारु पुत्र विश्राम थारु उम्र 32 वर्ष निवासी अचकवा दा0 बलईगाव थाना मोतीपुर जनपद बहराइच को मय 1250 ग्राम चरस व अल्टो कार यू0पी0 32 टे 6133 के साथ गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 328/24 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। उल्लेखनीय है कि मै उ0नि0 अश्वनी कुमार पाण्डेय मय हमराह हे0का0 अमरचन्द यादव का0 ललित यादव व एसएसबी बल के साथ देखभाल क्षेत्र चेकिंग वाहन /संदिग्ध व्यक्ति रोकथाम जुर्म जरायम रोकथाम तस्करी हेतु क्षेत्र मे मामूर था दौरान चेकिंग अभियुक्त संतोष थारु पुत्र विश्राम थारु उम्र 32 वर्ष निवासी अचकवा दा0 बलईगाव थाना मोतीपुर जनपद बहराइच को 1250 ग्राम चरस व अल्टो कार यू0पी0 32 टे 6133 के साथ गिरफ्तार किया गया गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानी पर मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेजा गया ।

लघु उद्योग विभाग में हो रहे अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन मौन

- अतिक्रमण हटवाने में विफल रहे कानूनी दांव पेंच - दिन में खाली हो रहे बालू के ट्रक चले रास्ते में हादसे को न्योता

नवयुग समाचार
माधौगढ़ (जालौन)-एक ओर प्रशासन ने आदेश जारी किया था की नपा की सड़कों पर गिट्टी, बालू एवं अन्य सामान रख कर अनावश्यक अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ धारा 133 के तहत कार्रवाई कि जाएगी। साथ ही सड़क पर रखा सामान भी जब्त किया जायेगा।वही दूसरी ओर बिल्डिंग मटेरियल के दुकानदारों द्वारा सड़क किनारे पर गिट्टी - बालू के ढेर सजाकर पूरी तरह अतिक्रमण कर प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए उनके आदेश की धज्जियां उड़ा रही है। बताते चले की नगर पंचायत में वैसे ही आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर स्थित लघु उद्योग विभाग प्रशासन की मौन साधना के कारण अतिक्रमण का शिकार है।

दिन में ही खाली होते बालू के ट्रक से रास्ते में चलते वाहनों को हादसे के लिए न्योता जा रहा है रोड़ किनारे अतिक्रमण किये बिल्डिंग मटेरियल के दुकानदारों द्वारा गिट्टी - बालू के ढेरों को सजाने के लिए दिन में ही उन ट्रकों को खाली करवाया जाता है जबकि मुख्य रास्ते में ट्रक को उदबाते समय यदि कोई हादसा घटित हो जाता है तो यह बड़ी लापरवाही सामने आ सकती है खुले में प्रशासन को चुनौती देते दुकानदारों के खिलाफ प्रशासन आखिर क्यों मौन है जबकि गिट्टी व बालू से अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों पर कोई कार्रवाई नहीं होती। तहसील स्तर तक ऐसी कई दुकानें हैं जो सड़क पर चलती हैं। बाहर से लाल बालू और गिट्टी मंगाकर दुकानदार उसे सड़क किनारे गिरा देते हैं जबकि भंडारण के लिए लाइसेंस लेने का सरकारी प्रावधान हैं। इसके बावजूद खनन विभाग भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं करता। जिससे अतिक्रमण का यह खेल बढ़ता ही जा रहा है। ट्रैक्टर ट्राली और ट्रकों को बीच सड़क पर खड़ा कर गिट्टी व लाल बालू लोड कर दी जाती है। अतिक्रमण हटाए जाने के संबंध में जब प्रशासन से बात की जाती है तो यही कहा जाता है कि जल्द ही नोटिस भेजकर कार्यवाही अमल में लायी जाएगी। उक्त ऐसा हि एक मामला प्रकाश में आया है कि उपजिलाधिकारी आवास के पास ही दिन में ही बालू भरे ट्रक को उदबा दिया जाता है जबकि सड़क किनारे ही बालू - गिट्टी के ढेर कर अतिक्रमण किया है जबकि प्रशासन कार्यवाही के लिए मौन है। ताज्जुब तो इस बात का है कि आखिर प्रशासन लघु उद्योग विभाग की कार्यवाही करने में क्यों चुप है जबकि उद्योग न लगने के कारण कई परिवार दो टूक निबाले को आस लगाए बैठे है लेकिन विभाग परिसर में बने आलीशान मकान में लोग निवास बनाये है तो कहीं बिल्डिंग मटेरियल की दुकान कर अतिक्रमण जमाये है।

कार चलाते समय चालक को आई नींद, कार खाई में गिरी

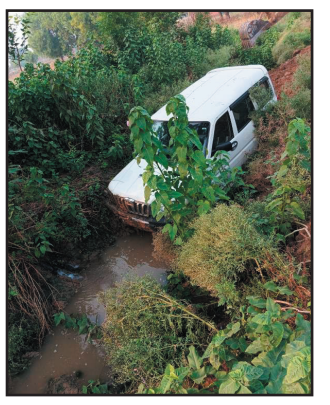

नवयुग समाचार
रामपुराः-थाना क्षेत्र के रामपुरा जगम्मनपुर स्टेट हाइवे पर बुधवार की सुबह जगम्मनपुर के निकट स्कॉर्पियो चालक के नींद आने से स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गया। थाना क्षेत्र के जगम्मनपुर के पास बुधवार को सुबह 5 बजे के लगभग शिवगंज निवासी अमरनाथ पुत्र गोपाल सिंह निषाद उरई से वापस अपनी स्कॉर्पियो कार से राजपाल सिंह पुत्र नाथूराम निषाद निवासी कंजोसा के साथ वापस लौट रहा था। तभी सुबह के समय कार चालक अमरनाथ निषाद के अचानक नींद आने के कारण स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे खंडक में जा गिरी। जिसमे चालक अमरनाथ व राजपाल गम्भीर रूप से घायल हो गये। घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना पाकर थाना प्रभारी योगेंद्र पटेल ने मौके पर पहुँचकर घायलों को उपचार के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रामपुरा भेजा। थाना प्रभारी योगेंद्र कुमार पटेल ने बताया कि चालक के नींद आने से स्कॉर्पियो गाड़ी सड़क के किनारे खाई में जा गिरी। घायलो को अस्पताल भेजा गया तथा जेसीवी की मदद से कार को बाहर निकलवा दिया गया हैं।

एसडीएम शाहाबाद ने शिकायतों का किया स्थलीय निरीक्षण

हरदोई । एसडीएम शाहाबाद पूनम भास्कर के साथ नायब तहसीलदार राकेश कुमार, तहसीलदार नरेन्द्र कुमार यादव , कानूनगो संजय मिश्रा , सदर लेखपाल आशीष कुमार बाजपेई, लेखपाल पंकज पाल सहित राजस्व के कई अधिकारियों ने राजस्व के प्रार्थना पत्रों पर स्थल निरीक्षण किया। एसडीएम पूनम भास्कर ने निर्देश दिए हैं कि अवैध रूप से रामलीला मैदान परजाऊ ताल के पास स्थाई आक्रमण को शीघ्र ध्वस्त किया जाए। एसडीएम ने कहा कि सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराया जाए। इस दौरान एसडीएम पूनम भास्कर ने पिहानी हरदोई मार्ग पर बना रहे बाबा मैरिज हॉल एवं रिसोर्ट 3 का स्थलीय निरीक्षण कर, आवश्यक दिशा निर्देश मैरिज हाल के संस्थापक व समाजसेवी जोगराज सिंह को दिए। इस दौरान एसडीएम ने राजस्व के शिकायती प्रार्थना पत्रों का निस्तारण भी किया। चांद ब फील्ड के पास सरेहजू बॉर्डर पर सरदारों की शिकायत पर भैंसटा नदी में पुलिया बना देने की शिकायत का निरीक्षण किया। सिख समुदाय के लोगों ने आरोप लगाया है की भैसटा में पुलिया बनाकर से,बंद कर दिया गया है जिससे बरसात में पानी नदी का ओवरफ्लो होकर गांव तक पहुंचेगा।

डीएम द्वारा ग्राम ऐरी रमपुरा में निमार्णाधीन राजकीय हाई स्कूल प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सहित अन्य शासकीय योजनाओं का निरीक्षण कर ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण कार्य समय से पूर्ण कराने के दिए गए निर्देश

नवयुग समाचार
उरई(जालौन)।जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने आरआ-रसी सेंटर, अमृत सरोवर तालाब, निमार्णाधीन राजकीय हाईस्कूल व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, खाधान्न स्मार्ट मॉडल शॉप,आंगनवाड़ी केंद्र, सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण कर सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री जी द्वारा डकोर विक-ास खंड के ग्राम ऐरी रमपुरा में विकास कार्यों का लोकार्पण किया था। जिसके बाद अब तक विकास कार्यों का निर्माण कार्य जारी है। जिलाधिकारी ने सम्बंधित कार्यदायी संस्था व अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए कि निर्धारित समय पर कार्यों को पूर्ण कर लिया जाए, बताते चलें कि विगत वर्षों में मुख्यमंत्री जी ने ग्राम ऐरी रमपुरा में जनसभा को सम्बोधित किया था। जहां उन्होंने ग्रामीणों को राजकीय हाईस्कूल व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सौगात दी थी। जिसका लोकार्पण भी मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया था। गांव में बनने वाले राजकीय हाईस्कूल के निर्माण की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था यूपी सिडको को 20 नवंबर 23 को सौंपा गया था जिसकी लागत 2.428 करोड़ है। इसी प्रकार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड को सौंपी गई थी। जिसकी लागत 2.16 करोड़ है। ग्राम ऐरी रमपुरा पहुंचे जिलाधिकारी ने इन निर्माण कार्यों की पड़ताल की। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान एक दीवाल तिरक्षी पाई गई। जिसे जिलाधिकारी ने तुड़वाकर पुनः बनाए जाने के निर्देश दिए। जिसके बाद उन्होंने राजकीय हाईस्कूल का निरीक्षण किया। जहां व्यवस्थाएं दुरुस्त पाई गई। इस दौरान उन्होंने कार्यदायी संस्थाओ को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्माण कार्य समय रहते गुणवत्तापूर्ण कराए जाएं, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। इसके वाद जिलाधिकारी ने गांव में नहरों से भरे जा रहे अमृत सरोवर का निरीक्षण किया। जहां उन्होंने अमृत वाटिका बनाए जाने के निर्देश दिए। जिसमें छायादार व औषधीय पौधे लगाने के भी निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने गांव के खाधान्न स्मार्ट मॉडल शॉप,आंगनवाड़ी केंद्र, सामुदायिक शौचालय का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि साशन की योजनाओं का लाभ जनमानस को पहुंचाया जा रहा है। ग्रामीण खुले में शौच न जाएं घर में निर्मित शौचालय व सामुदायिक शौचलय का ही प्रयोग करें।

होटल में मिला युवक का शव, मचा हड़कम्प

कानपुर। फजलगंज स्थित एक होटल में बुधवार को युवक का शव मिला। DCP सेंट्रल ने घटना स्थल का निरीक्षण किया।

परिजनों को सूचना दी। फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल के साक्ष्य एकत्र किए। आनंदपुरी निवासी गौरव अग्रवाल (40) ने दो दिन पूर्व फजलगंज के होटल में कमरा बुक किया था। वह सुबह जब अपने कमरे से नहीं निकले, तो होटल संचालक को कुछ अनहोनी की आशंका हुई। इस कारण उसने कर्मचारी को कमरे में भेजा। कर्मचारी के खटखटाने के बाद भी जब कमरे के अंदर से कोई उत्तर नहीं मिला तो उसने इसकी जानकारी होटल मैनेजर को दी। होटल मैनेजर ने तुरंत फजलगंज

पुलिस को इसकी सूचना दी। इस-के बाद पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर गई तो देखा कि गौरव का शव बिस्तर पर पड़ा है। सूचना पर अउढ स्वरूप नगर शिखर, उऊढ सेंट्रल पहुंचे और परिजनों को सूचना देने के बाद घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। होटल के कर्मचारियों के मुताबिक, मंगलवार की सुबह करीब 9 बजे गौरव आखिरी बार होटल के कमरे के बाहर दिखे थे। इसके बाद से उन्हें किसी ने भी नहीं देखा।

खुशखबरीः हैलट अस्पताल को मिलेंगे 5 पोर्टेबल ICU

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज कानपुर प्रदेश का पहला ऐसा मेडिकल कॉलेज बनने जा रहा है, जहां पर पोर्टेबल आईसीयू, लेप्रोस्कोपी के माध्यम से मरीज को लाभ पहुंचाया जाएगा। यहां पर लगभग 10 करोड़ की लागत से REC फाउंडेशन गुरुग्राम हरियाणा के सीएसआर फंड से अस्पताल को पांच पोर्टेबल आईसीयू, एक लेप्रोस्कोपी मशीन और पांच प्लाज्मा एयर फिल्टर उपलब्ध कराए जाएंगे। मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजय काला ने बताया कि कॉलेज परिसर में आज फ्एउ फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ है। इस समझौता के अंतर्गत पांच पोर्टेबल आईसीयू अस्पताल में आएंगे, जिनकी लागत 2.48 करोड रुपए है। यह आईसीयू

ऐसा होगा कि मरीज के बिस्तर पर ही वहां पर कुछ ही पल में तैयार कर लिया जाएगा। इसमें हर तरह की सुविधा मरीज के लिए होती है। इससे मरीज संक्रमण से भी बचा रहेगा। इसके अलावा एक लेप्रोस्कोपी मशीन आ रही है। इसकी कीमत 1.86 करोड रुपए है। इस मशीन के माध्यम से मरीज का ऑपरेशन एक आसान विधि से किया जाएगा। इसमें एक रोबोट के माध्यम से ऑपरेशन किया जाता है, जिससे मरीज को ज्यादा तकलीफ नहीं होती है। साथ ही पांच प्लाज्मा एयर फिल्टर भी आएंगे। एयर फिल्टर प्रदूषित हवा को खींचते हैं और शुद्ध हवा मरीजों को देते हैं। इसकी कीमत 5.65 करोड रुपए की है। समझौता ज्ञापन पर फाउंडेशन के जनरल मैनेजर एसएस गुप्ता और मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजय काला ने हस्ताक्षर कर खुशी जाहिर की। एसएस गुप्ता ने कहा कि हम इन मशीनों को ऐसी जगह पर लगाना चाह रहे थे, जहां पर गरीबों को इसका लाभ मिल सके। इसके लिए मुझे कानपुर मेडिकल कॉलेज ही सबसे अच्छा अस्पताल लगा। इस मशीन के लगने के बाद लगभग 18 जिलों के मरीज इसका लाभ ले सकेंगे।

कर्ज में डूबे किसान ने की आत्महत्या

कानपुर। फसल बर्बाद होने से परेशान किसान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब गांव के लोग मौके पर पहुंचे तो घटना की जानकारी परिजनों और पुलिस को दी। मृतक किसान का नाम चंद्रपाल (25) है। मंगलवार देर रात अपने खेत के पास ही जामुन के पेड़ के सहारे फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शव को फंदे से नीचे उतारने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। फॉरेंसिक टीम ने जांच की। मामला बिठूर के बैकुंठपुर स्थित भारतपुरवा गांव का है। मृतक के भाई रवि के बताया, चंद्रपाल के हिस्से में 6 बीघा खेती है। भीषण गर्मी पड़ने के चलते इस बार खेत में धनिया, गोभी और भिंडी पूरी तरह से खराब हो गई। जो थोड़ी बहुत बची थी, उसे आवारा जानवर खा गए थे। इसलिए इस बार पूरा सीजन बहुत खराब रहा। बीज और दवा का छिड़काव करने के लिए चंद्रपाल ने गांव के ही कुछ लोगों से पैसे उधार ले रखे थे। जिसको लेकर भाई क-ाफी तनाव में रहता था। भाई रवि ने बताया- खेतों के पास में ही एक बहुत पुराना जामुन का पेड़ है। इस पेड़ में देर रात चंद्रपाल ने अपने अंगोछे के सहारे गले में फंदा डालकर खुदकुशी कर ली। सुबह गांव के लोग शौच के लिए जा रहे थे, तब उन्होंने पेड़ से शव को लटका देखा।

काला दिवस के रूप में मनाई गई आपातकाल की 49वीं वर्षगांठ

महोबा। भारतीय जनता पार्टी द्वारा आपातकाल की 49वीं वर्षगांठ पर काला दिवस मनाते हुए आपातकाल की विभीषिका पर गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में जिला प्रभारी संजीव श्रृंगऋषि मौजूद रहे। गोष्टी की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष अवधेश गुप्ता ने की। गोष्ठी के अवसर पर लोकतंत्र सेनानियों के संगठन के अध्यक्ष परमानंद ने उस समय सरकार द्वारा की गई प्रताड़ना के विषय में जानकारी दी। लोकतंत्र सेनानी हरीश पु-रवार ने बताया कि उस समय रातों-रात लोगों को जेल में बंद कर दिया गया, लोकतंत्र सेनानी अग्रवाल जी ने बताया कि जो सरकार के विरुद्ध बोलता था उनके साथ बड़ी जेल में बंद कर प्रताड़ना दी जाती थी। जिला प्रभारी संजीव ने बताया कि कांग्रेस सरकार द्वारा बिना किसी वजह से केवल और केवल हम सत्ता में बने रहे इसलिए तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बिना कैबिनेट की जानकारी के आपातकाल घोषित कर दिया था। वह केवल आपातकाल नहीं था बल्कि स-रकार के विरुद्ध कोई भी विपक्षी पार्टी थी उनके सभी नेताओं को जेल में बंद कर दिया जाता था। गोष्ठी के उपरांत सभी लोकतंत्र सेनानियों को परिवार सहित माला पहनाकर सम्मानित किया गया। पार्टी कार्यालय से मौन जुलूस निकाला गया। इस मौके पर विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर, हमीरपुर कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष चक्रपाणि त्रिपाठी, नगर पालिका अध्यक्ष संतोष चौरसिया, जिला पंचायत अध्यक्ष जेपी अनुरागी, संयोजक जिला उपाध्यक्ष रविंद्र महेंद्र सहित पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मैरिज एनिवर्सिरी की पार्टी के बाद युवक ने की फांसी लगाकर दी जान

कानपुर। नरवल थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम नसड़ा में एक किसान का शव बुधवार सुबह घर से करीब पांच सौ मीटर की दूरी पर एक पीपल के पेड़ पर गमछे के सहारे लटकता मिला। घटना देख ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच में जुट गई। जानकारी के अनुसार नरवल क्षेत्र के नसड़ा गांव निवासी सुशील उर्फ महाबल सिंह (50) गांव में ही र-हकर खेती किसानी करता है। परिजनों ने बताया कि मंगलवार को सुशील और गुड्डी की मैरिज एनिवर्सिरी थी। शाम को घर पर कुछ मेहमान और दोस्त आए

हुए थे जिनके साथ सुशील ने देर रात तक पार्टी की। खाना-पीना होने के बाद सुशील व परिवार के लोग अपने-अपने कमरे में सोने चले गए। बुधवार सुबह जब सुशील कमरे में नहीं मिले तो बेटा पवन और बेटियों ने खोजबीन शुरू की। इस बीच ग्रामीणों ने सुशील का शव घर से करीब पांच सौ मीटर दूर पीपल के पेड़ पर लटके होने की जानकारी पुलिस व परिजनों को दी। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची नरवल पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को पेड़ से नीचे उतरवाया और मामले की छानबीन में जुट गई। वहीं, इस संबंध में नरवल थाना प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

भाजपा को उत्तर प्रदेश में पराजय के बोध से उबरना ही होगा

उत्तर प्रदेश में भाजपा की पराजय के साइड इफैक्ट हर तरफ दिखने लगे हैं। जिन जिलों में इंडी गठबंधन के सांसद बने हैं उन जिलों में आपराधिक गतिविधियों में जबरदस्त तेजी आई है। सीतापुर जिले में नए बने कांग्रेस सांसद ने थाने में धरना देकर एक नाबालिग अपराधी को थाने से ही छुड़ा लिया।

उत्तर प्रदेश की जनता ने 2024 लोकसभा चुनावों में हैरान करने वाले चुनाव परिणाम दिये हैं। भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में 80 में से 80 लोकसभा सीटें जीतने का नारा दिया था किंतु भाजपा गठबंधन मात्र 37 सीटों पर ही सिमटकर रह गया। भाजपा अयोध्या वाले संसदीय क्षेत्र फैजाबाद तक से हार गई जहाँ प्रभु श्रीराम दिव्य भव्य एव नव्य राम मंदिर में प्रवेश कर चुके हैं तथा विविध प्रकार के विकास कार्य चल रहे हैं । ये हार हर किसी को आश्चर्य में डाल रही है। आज भी हर तरफ यही चर्चा हो रही है कि अरे भाजपा फैजाबाद में कैसे हार गई ? आखिर क्यों, फिर यह चर्चा लंबी खिंच जाती है और भाजपा समर्थकों व शुभचिंतकों के

माथे पर चिंता की लकीरें खिंचने लगती हैं कि अब होगा क्या? भाजपा का हर शुभचिंतक अपने अपने स्तर पर गहन समीक्षा कर रहा है किंतु क्या बीजेपी आलाकमान व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जनमानस की चिंताओं के साथ खड़े हैं या नहीं। महिलाएं भी अयोध्या पराजय पर चर्चा कर रही हैं कि फ्री राशन, घर, शौचालय, दवाई व राम मंदिर के बाद भी भाजपा क्यों पराजित हो गई? प्रदेश में भाजपा की पराजय के जो मुख्य बिंदु निकलकर सामने आ रहे हैं उसमें प्रत्याशियों का गलत चयन, राजग गठबंधन के नेताओं की गलत बयानबाजी, क्षत्रियों व राजपूतों की नाराजगी को हलके में ले लेना तथा मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में वोट जिहाद का हो जाना आदि तो था ही मीडिया की मानें तो संघ व भाजपा के बीच आतंरिक टकराव भी एक कारण रहा। वर्तमान समय में जब नरेंद्र मोदी सरकार के नेतृत्व में ऐसे ऐसे अदभुत कार्य हो रहे हैं जिनका प्रभाव हजार साल तक रहने वाला है उस समय संघ नेतृत्व ने इतनी बड़ी गलती क्यों कर दी? क्या वो सच ही मोदी जी का अहंकार तोड़ना चाहते थे या अपने ही पैरों में कुल्हाड़ी मार रहे थे? क्या स्वयं को मातृ संस्था कहने वालों को भी आत्मसंयम का परिचय नहीं देना चाहिए था? ये कठिन प्रश्न मीडिया और सोशल मीडिया में जंगल की आग की तरह फैल चुके हैं। इसे पूरे दावानल में आम सनातनी ठगा सा खड़ा है। प्रदेश में भाजपा की पराजय के साइड इफैक्ट हर तरफ दिखने लगे हैं। जिन जिलों में इंडी गठबंधन के सांसद बने हैं उन जिलों में आपराधिक गतिविधियों में जबरदस्त तेजी आई है। सीतापुर जिले में नए बने कांग्रेस सांसद ने थाने में धरना देकर एक नाबालिग अपराधी को थाने से ही छुड़ा लिया। इकरा हसन के समर्थकों ने हिन्दुओं पर हमला बोला और सोनभद्र में एक हिन्दू परिवार घर छोड़ने को विवश है, ऐसी ही अनेक घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। लोकसभा चुनाव समाप्त हो जाने के बाद प्रशासनिक अधिकारियों का भाजपा कार्यकताओं के साथ दुर्व्यव्यहार बढ़ता जा रहा है। राजधानी लखनऊ में वाहन जांच के नाम पर भाजपा प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी के साथ अभद्रता की गई यद्यपि घटना के बाद ट्रैफिक दारोगा आशुतोष त्रिपाठी को निलंबित कर दिया गया है। राकेश त्रिपाठी का कहना है कि पुलिस भाजपा का झंडा लगा देखकर वाहन को रोक रही है जब लखनऊ में भाजपा प्रवक्ता के साथ इस प्रकार की घटना घटित हो रही है तब प्रदेश के दूसरे जिलों में क्या हाल हो रहा होगा। प्रदेश का पुलिस प्रशासन अभी भी लापरवाही तथा भ्रष्टाचार में संलिप्त है तथा महिला थाने तक में पीड़ितों से रिश्वत मांगी जा रही है। हालाँकि अकबरनगर का अतिक्रमण हटाकर सरकार ने सख्त प्रशासन की अपनी छवि बचाने का प्रयास किया है।

मीडिया की मानें तो राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ ने उप्र के अवध क्षेत्र की सीटों पर जीतने का जोर नहीं लगाया, अगर यहाँ पर ताकत लगा दी जाती तो भाजपा की कम से कम आठ सीटें तो और बढ़ ही जातीं किंतु मेड़ ही खेत से मुँह मोड़ चुकी हो तो क्या ही कहा जाए। आम सनातनी योगी मोदी की कम सीटों से दुखी है और समाचारों में देखता है कि ये संघ के असहयोग के कारण हुआ है तो उसका मन व्यथित होता है और संघ पर दशकों से किया गया विश्वास डगमगा जाता है। अहंकार किसी का भी हो लेकिन केवल योगी या मोदी नहीं, संघ भी हारा है और अस्तित्व की लड़ाई से जूझ रहा हिन्दू भी। लोकसभा चुनावों के मध्य भाजपा व संघ के बीच मनमुटाव के समाचारों, गलत प्रत्याशी के चयन और उससे भी आगे बढ़कर चयनित प्रत्याशी की गलतबयानी के कारण एक सबसे महत्वपूर्ण सीट हाथ से निकल गई, जिसका व्यापक नकारात्मक प्रभाव दिखाई दे रहा है। रामभक्त विपक्ष के निशाने पर हैं, उनपर तंज कसे जा रहे हैं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर व अयोध्या के विकास कार्यों पर फेक न्यूज फैलाई जा रही है, विपक्ष उसको हवा दे रहा है।

भारतीय जनता पार्टी ने प्रदेश में 80 में से 80 लोकसभा सीटें जीतने का नारा दिया था किंतु भाजपा गठबंधन मात्र 37 सीटों पर ही सिमटकर रह गया। भाजपा अयोध्या वाले संसदीय क्षेत्र फैजाबाद तक से हार गई जहाँ प्रभु श्रीराम दिव्य भव्य एव नव्य राम मंदिर में प्रवेश कर चुके हैं